प्रकृति व पर्यावरण को सहेजता टीईआरआई

नई दिल्ली। राजधानी में पार्यावरण व प्रकृति की उपयोगिता उसके महत्त्व व आने वाली पीढ़ी के लिए धरोहर के तौर पर पर्यावरण का संरक्षण व विकास के मुद्दे पर आयोजित संगोष्ठी के सार्थक प्रयासों को बड़े पैमाने पर सराहना मिल रही है। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीच्यूट (टीईआरआई) द्वारा दिल्ली सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट के तहत देश-विदेश से आए पर्यावरणविदों ने प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के बड़े पैमाने पर हो रहे दोहन को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी पर्यावरण संरक्षण की प्रासंगिकता पर बल देते हुए इस सम्मेलन के तहत जागरुकता एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता के प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन में टीईआरआई के महानिदेशक डॉ आर के पचौरी ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से लोगों को रू-ब-रू करवाया। सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों से अवगत कराने के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना की। इस सम्मेलन के आखिरी दिन शनिवार को ख्यातिप्राप्त नोबेल पुरस्कार विजेता पर्यावरण संरक्षण व उपयोगिता पर अपने विचारों से अवगत कराएंगे।